18/11/24

पत्रावली पेश की गई। वादी द्वारा चक 3KNJ ख.नं. 120/266 का कि.नं. 19 विभाजन में अनुतोष याचित किया गया था। वर्तमान जमाबंदी चक 3KNJ खाता सं. 12/119 में वादी राजसिंह का नाम अंकित नहीं है इसलिए वादपत्र में वर्णित अनुतोष मुताबिक वाद पत्र प्रदान किया जाना संभव नहीं है। अतः वादी ने हिफायत फौती नहीं होने का अंकन किया है। वाद पत्र खारिज कर पत्रा. नंबर से कम की जाकर दाखिल दफ्तर की जाती है।

Signature Not Verified

Digitally signed by Mangi Lal
Date: 2024.11.25 13:23:40 IST
Reason: SelfAttested